

असाइनमेंट :- 2

विषय :- हिंदी

कक्षा :- चौथी

शिक्षिका :- श्रीमती इंदरजीत कौर

नाम :- \_\_\_\_\_

सेक्शन :- \_\_\_\_\_

रोल नंबर :- \_\_\_\_\_

दिनांक :- /7/2021

**पाठ-4 (कविता)**  
**चाँद का कुरता**

**भाषा ज्ञान(Page no.-32)**

**प्रश्न2 विलोम शब्द लिखिए।**

डर - निडर

एक - अनेक

रात - दिन

मोटा - पतला

जाड़ा - गरमी

बड़ा - छोटा

घटता - बढ़ता

चलना - रुकना

**प्रश्न3 इस शब्द जाल में से दिए गए शब्दों के पर्यायवाची शब्द ढूँढकर लिखिए।**

डर - भय

रोज़ - प्रतिदिन

हवा - पवन

रात - निशा

जाड़ा - सरदी

माँ - माता

आँख - नेत्र

भगवान - प्रभु

**प्रश्न5 समान तुक वाले शब्द लिखिए।**

दिन - बिन

माप - नाप

माता - खाता

छोटा - मोटा

रात - बात

रोज़ - खोज

**प्रश्न6 शुद्ध वर्तनी पर (✓)का निशान लगाइए।**

(क) अंगुल ( )

अंगूल ( )

अँगुल (✓)

(ख) झिंगोला (✓)

झंगोला ( )

झींगोला ( )

(ग) सलौना ( )

सोलना ( )

सलोना (✓)

(घ) दीखलाई ( )

दिखलाई (✓)

दिखालई ( )

## लिखित प्रश्न

(क) चाँद मां से कैसा झिंगोला सिलवाने के लिए कह रहा है ?

उत्तर चाँद मां से मोटा झिंगोला सिलवाने के लिए कह रहा है ।

(ख) चाँद अपनी यात्रा पूरी इस प्रकार करता है?

उत्तर चाँद अपनी यात्रा ठिठुर - ठिठुर कर करता है ।

(ग) माँ ने चाँद से उसके आकार के बारे में क्या कहा?

उत्तर माँ ने चाँद से कहा कि तेरा आकार घटता -बढ़ता रहता है । तेरा आकार किसी दिन बड़ा हो जाता है तो किसी दिन छोटा ।